

पहेलियाँ बूझना एक कला है; पहेलियों से छात्रों की तर्क तथा विचारशक्ति का विकास होता है। यहाँ पहेलियों के माध्यम से इस शक्ति का विकास करने का प्रयत्न किया गया है।

- (1) एक फूल काले रंग का, सिर पर सदा सुहाता
तेज धूप वर्षा में खिलता, छाया में मुरझाता।
- (2) चोर नहीं डाकू नहीं, नहीं कहीं की रानी
बत्तीस सिपाही घेरे रहते, तन-मन पानी-पानी
- (3) नाम मेरा तीन अक्षर का, रहनेवाला सागर तट का
खाने में आता हूँ काम, बोलो बच्चो मेरा नाम।
- (4) आदि कटे तो दशरथ सुत होता, मध्य कटे तो आम,
अंत कटे तो काटूँ लकड़ी, बोलो मेरा नाम।
- (5) दो सखियाँ दोनों चंचल, फिरती फाटक खोलें,
सो जाएँ तो सपने देखें, हँसे खुशी में, दुःख में रो लें।
- (6) दादा है पर दादी नहीं, भाई है पर बहन नहीं
नव है पर दस नहीं, रोजी है पर रोटी नहीं।
- (7) दिए गए चित्रों में चित्र के शब्द ढूँढ़िए :



शब्दार्थ

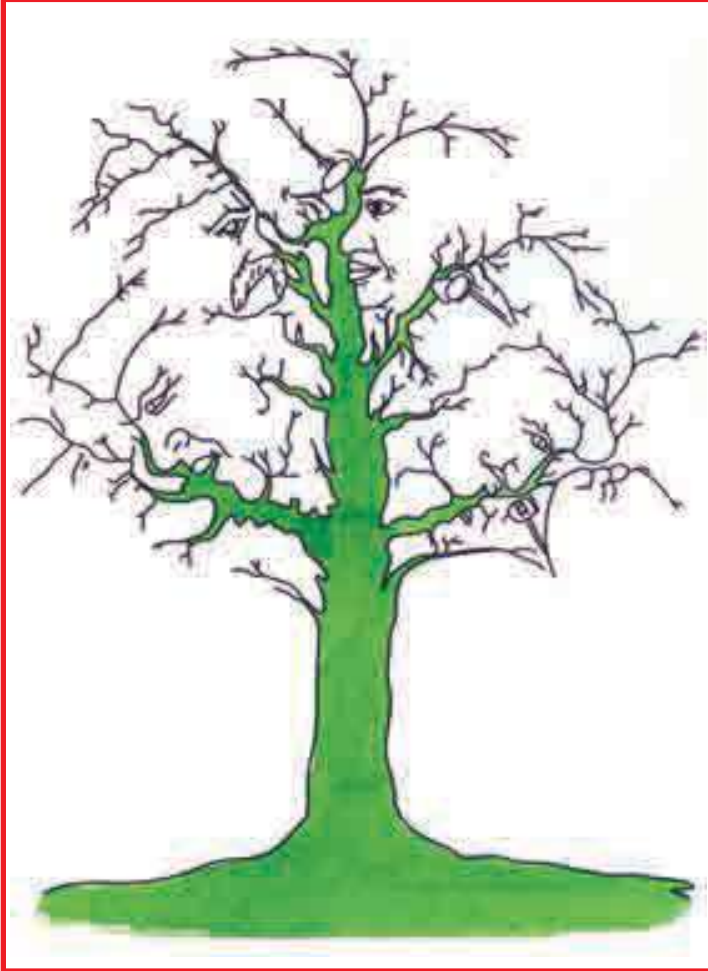
सिर मस्तिष्क सुत पुत्र तट किनारा आदि प्रारंभ

अभ्यास

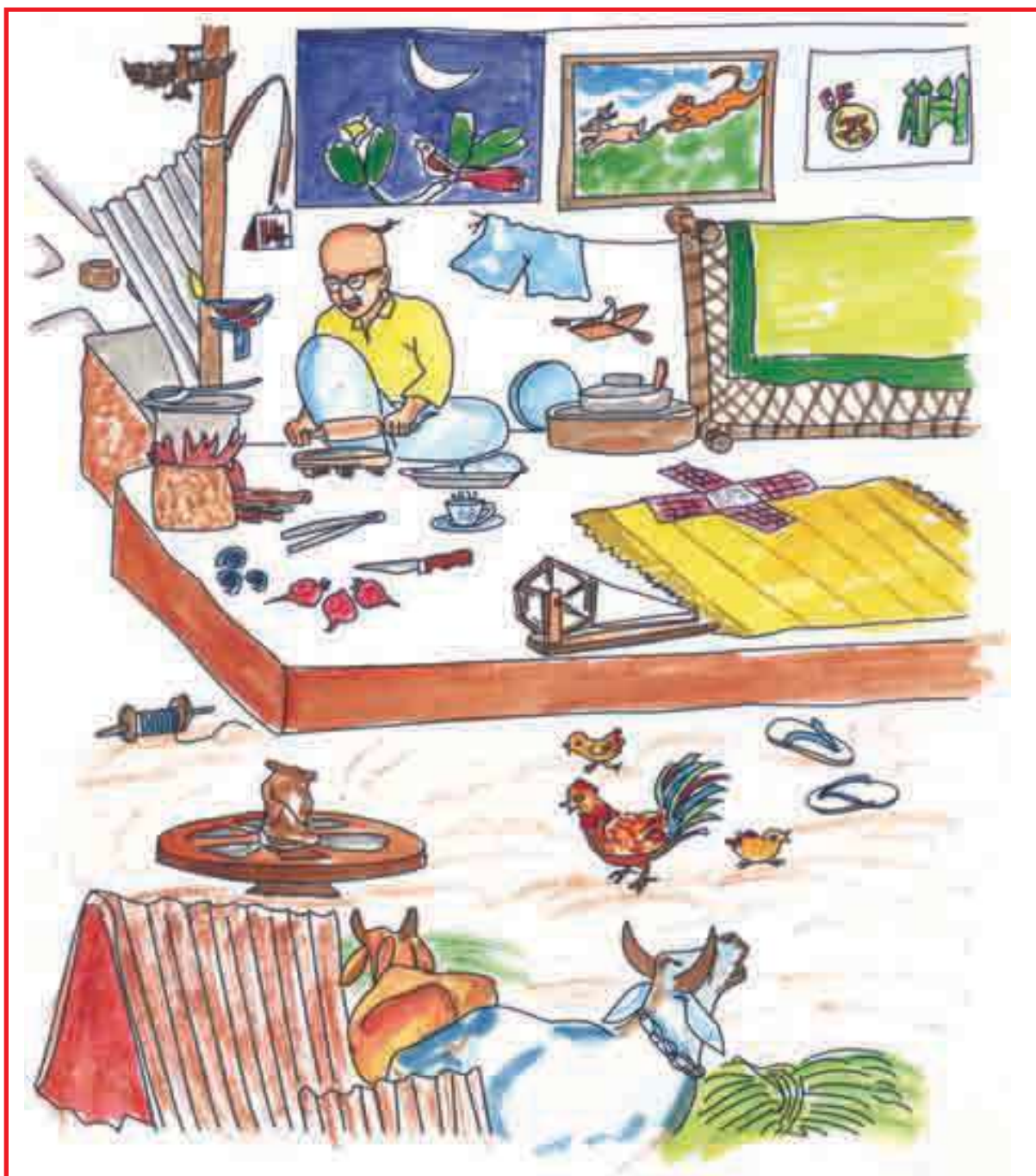
प्रश्न 1. दिए गए शब्द के उत्तर मिले ऐसी पहेलियाँ बनाइए :

- | | | | |
|----------|------------|-----------|----------|
| (1) पेड़ | (2) आम | (3) बारिश | (4) हाथी |
| (5) मोर | (6) मोबाइल | (7) बादल | |

प्रश्न 2. दिए गए चित्र में किन देशभक्तों की तसवीरें उभरती हैं ? - खोजिए और लिखिए :



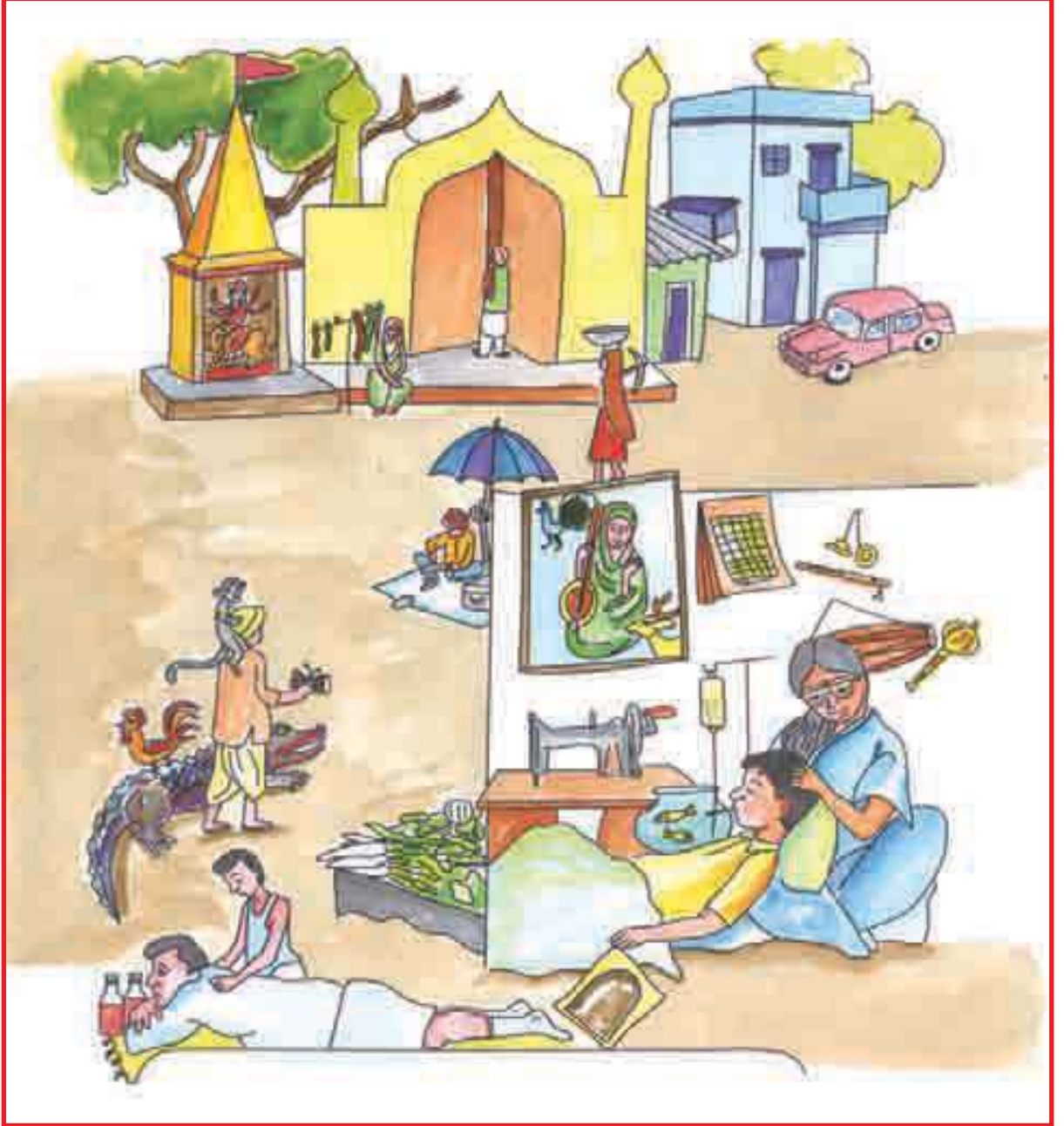
प्रश्न 4. इस चित्र में 'च' से शुरू होनेवाली कितनी चीजें हैं?



मैंने ढूँढीं

'च' से शुरू होने वाली कौन-कौन-सी चीजें हमसे छूट गईं? उनके चित्र बनाइए।

प्रश्न 1. इस चित्र में 'म' से शुरू होनेवाली कितनी चीजें हैं?



मैंने ढूँढी

'म' से शुरू होने वाली कौन-कौन-सी चीजें हमसे छूट गईं? उनके चित्र बनाइए।

योग्यता विस्तार

- शब्द पहेली की रचना कीजिए।
- ऐसा चित्र बनाइए जिनमें प्राणी, पक्षी, फूल और यातायात के साधन आदि दिखाई देते हैं।
- निम्नलिखित शब्दचित्र देखिए और उनके नाम गुजराती और हिन्दी में लिखिए :

